

P. S. SCIENCE & H. D. PATEL ARTS COLLEGE, KADI

Internal Examination

B.A. Semester - IV

[Mark : 40

23-3-2016]

Sanskrit : CE-403

[11-00 to 12-30

पञ्चतन्त्रे-मित्रभेदः - पण्डितविष्णुशर्मा ।

1. पंचतंत्रकारनी शैली विशे नोंध लभो.

अथवा

14

1. पंचतंत्रनो उद्भवव अने विकास जशावी, पंचतंत्रनुं महत्व जशावो.

2. टूंकनोंध लभो. (गमे ते जे)

14

(1) पंचतंत्रनो कथासार

(2) पंचतंत्रना विषयो. (विभागी)

(3) कम्बुत्रीवकायबानी वार्ता

(4) सूरीमुष अने वानरयूथनी वार्तामांथी प्राप्त थतो बोध.

(5) त्रश माछवांओनी वार्ता.

3. नीयेनामांथी गमे ते छ प्रश्नोना अक-जे वाक्योमां जवाब आपो.

12

(1) पंचतंत्रमां आवता काकोलुकीयनो अर्थ शुं थाय ?

(2) पंचतंत्रनुं शीर्षक समजावो.

(3) सिंछ अने शियाणनी वार्तामांथी शो बोध मणे छे ?

(4) धर्मबुद्धि अने पापबुद्धिनी कथा कोश कोने कहे छे ?

(5) पंचतंत्रना लेखकनुं नाम जशावो.

(6) काष्टकूटनी वार्तानी यकली उपर केवी असर थई ?

(7) टीटोडा दम्पति कयां रहेतुं छतुं ?

(8) कम्बुत्रीवे प्राण बयाववा माटे शुं उपाय विचार्यो ?

(9) यकली अने छाथीनी वार्तामां कोश महदरूप बने छे ?

(10) सिंछे कोने केवी रीते बयावीने उछेर्यो ?